DR. AMBEDKAR INTERNATIONAL CENTRE

(Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India)

DR. AMBEDKAR SECOND MEMORIAL LECTURE

– 14th April 2026 –

BY HON'BLE VICE PRESIDENT OF INDIA
SHRI C. P. RADHAKRISHNAN

"Dr. Ambedkar as a Nation Builder:
Pathways Towards Viksit Bharat"

BHIM AUDITORIUM
Dr. Ambedkar International Centre
15, Janpath, New Delhi – 110001

DR. AMBEDKAR MEMORIAL LECTURE – 14TH APRIL 2026

On the auspicious occasion of the **136th Birth Anniversary of Bharat Ratna Dr. Bhimrao Ramji Ambedkar**, the Dr. Ambedkar International Centre (DAIC), New Delhi, organized the **Second Dr. Ambedkar Memorial Lecture** on 14th April 2026 at the Bhim Auditorium. The event witnessed the participation of distinguished dignitaries, scholars, policymakers, students, and members of the public, reflecting a shared commitment to Dr. Ambedkar's enduring ideals of justice, equality, and constitutional morality.

The Memorial Lecture, titled **"Dr. Ambedkar as a Nation Builder: Pathways Towards Viksit Bharat,"** was delivered by the Hon'ble Vice President of India, **Shri C. P. Radhakrishnan**, who graced the occasion as the Chief Guest.

The programme commenced with a **floral tribute** to Bharat Ratna Dr. B. R. Ambedkar at the Atrium of the Centre, symbolizing reverence to his unparalleled legacy. This was followed by the **National Song and National Anthem performed by the Police Band**, and the ceremonial **lighting of the lamp**, marking the formal inauguration of the event.

The programme was presided over by eminent dignitaries including **Dr. Virendra Kumar**, Hon'ble Minister of Social Justice and Empowerment, and **Shri Sudhansh Pant**, Secretary, Department of Social Justice and Empowerment. The event was hosted by **Col. Akash Patil**, Director, Dr. Ambedkar International Centre.

Delivering the welcome speech, Shri Sudhansh Pant highlighted the continued relevance of Dr. Ambedkar's vision in contemporary India, particularly emphasizing **constitutional morality, inclusive development, and social justice** as guiding principles for governance and nation-building.

In his speech, Dr. Virendra Kumar underscored the **monumental contribution of Dr. Ambedkar** in shaping India's democratic and constitutional framework. He emphasized that Dr. Ambedkar's vision ensured **justice, dignity, and equal opportunities** for all sections of society, particularly the marginalized and underprivileged.

The highlight of the programme was the **Memorial Lecture delivered by the Hon'ble Vice President of India**, Shri C. P. Radhakrishnan. In his address, the Hon'ble Vice President eloquently articulated Dr. Ambedkar's role as the **chief**

architect of the Indian Constitution and a visionary nation builder whose ideas continue to guide India's democratic journey. He emphasized that the Constitution of India stands as one of the most comprehensive democratic frameworks, rooted in the principles of **liberty, equality, and fraternity**.

The Hon'ble Vice President highlighted that Dr. Ambedkar firmly believed in **education as the most powerful instrument of social transformation**, stressing that true empowerment begins with knowledge and awareness.

He further noted that Dr. Ambedkar dedicated his life to the eradication of **social inequalities, caste discrimination, and untouchability**, and worked tirelessly to secure justice and dignity for marginalized communities. Emphasizing the importance of democratic values, he observed that **dialogue, debate, and constructive discussion are essential for the effective functioning of democratic institutions**.

The Hon'ble Vice President also reflected on Dr. Ambedkar's contributions toward **women's empowerment and social reform**, stating that societal progress must be measured by the advancement of women and marginalized sections.

Highlighting the vision of a **"Viksit Bharat"**, he stressed that nation-building requires sustained focus on **education, discipline, inclusivity, and ethical governance**, aligned with the constitutional values envisioned by Dr. Ambedkar. He called upon the youth to imbibe these principles and contribute actively to building a just and equitable society.

The Memorial Lecture series at DAIC continues to serve as an important platform for fostering dialogue on **constitutional values, social justice, and inclusive development**, while commemorating the life and legacy of Dr. B. R. Ambedkar.

Media Coverage:

विकसित भारत की राह में संवैधानिक मूल्यों पर आधारित सामूहिक प्रयास अनिवार्य: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, लोकसत्य।

उपराष्ट्रपति ने 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संवैधानिक मूल्यों से प्रेरित सामूहिक प्रयासों की अनिवार्यता पर जोर देते हुए कहा कि एक सशक्त भारत समावेशिता, समानता, नवाचार और लोकतांत्रिक आदर्शों की मजबूत नींव पर आधारित होना चाहिए।

संवैधानिक नैतिकता के महत्व पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को संवाद, बहस और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से कार्य करना चाहिए। राधाकृष्णन अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को यहां डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में 'डॉ. अंबेडकर एक राष्ट्र निर्माता के रूप में: विकसित भारत की ओर मार्ग' विषय पर दूसरा डॉ. अंबेडकर स्मारक व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि संसदीय चर्चाओं का परिणाम व्यवधानों के बजाय निर्णयों के रूप में आना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्यवाही में पूरी जानकारी के तथा सम्मानजनक जुड़ाव महत्वपूर्ण है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम से पहले

- कहा- लोकतांत्रिक संस्थाओं को संवाद, बहस और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से कार्य करना चाहिए

उन्होंने इस केंद्र में भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सचिव सुधांश पंत, तथा विद्वान, गणमान्य व्यक्ति और विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की आकांक्षा के लिए संवैधानिक मूल्यों से निर्देशित सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

लोकमत

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांनी सर्वसमावेशक भारताचा पाया रचला : उपराष्ट्रपती

लोकमत न्यूज नेटवर्क

नवी दिल्ली : भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांनी सर्वसमावेशक भारताचा पाया रचला, असे प्रतिपादन उपराष्ट्रपती सी. पी. राधाकृष्णन यांनी मंगळवारी केले. उपराष्ट्रपतींनी डॉ. आंबेडकर आंतरराष्ट्रीय केंद्रात 'राष्ट्रनिर्माते डॉ. आंबेडकर : विकसित भारताच्या दिशेने वाटचाल' या विषयावर आधारित दुसरे डॉ. आंबेडकर स्मृती व्याख्यान दिले. यावेळी केंद्रीय सामाजिक न्यायमंत्री वीरेंद्रकुमार, सचिव सुधांश पंत आणि डॉ आंबेडकर इंटरनॅशनल सेंटरचे संचालक आकाश पाटील उपस्थित होते. डॉ. आंबेडकर जयंती तसेच तामिळ नववर्ष आणि बैसाखी या सणांच्या शुभेच्छा देताना उपराष्ट्रपती म्हणाले की, हे प्रसंग भारताची समृद्ध सांस्कृतिक विविधता आणि एकता यांचे दर्शन घडवतात.

उपराष्ट्रपती म्हणाले की, डॉ. आंबेडकर आधुनिक भारताचे महान शिल्पकार आणि खरे राष्ट्रनिर्माते असून, त्यांचे विचार आजही देशाला योग्य दिशा देणारे आहेत. अशा उपक्रमांमुळे तरुण पिढीला लोकशाही आदर्श आणि संवैधानिक मूल्यांचे जतन करण्याची प्रेरणा मिळेल. हे व्याख्यान राष्ट्राच्या नैतिक आणि बौद्धिक पायाशी पुन्हा जोडले जाण्याची एक संधी उपलब्ध करून देते, असेही ते म्हणाले.

आव्हानांचे रूपांतर संधींमध्ये केले

डॉ. आंबेडकर यांच्या जीवनप्रवासावर प्रकाश टाकताना उपराष्ट्रपती म्हणाले, प्रचंड अडचणी आणि संकटे असूनही त्यांनी आपल्या चिकाटी, विद्वत्ता आणि न्यायाप्रति असलेल्या कटिबद्धतेच्या जोरावर आव्हानांचे रूपांतर संधींमध्ये केले.

सामाजिक परिवर्तनाची गुरुकिल्ली शिक्षणातच दडलेली आहे, असा डॉ. आंबेडकरा यांचा ठाम विश्वास होता आणि खऱ्या स्वातंत्र्याची सुरुवात शिक्षणापासूनच होते, यावर त्यांनी विशेष भर दिला.

संविधानाच्या मसुदा निर्मितीमध्ये डॉ. आंबेडकरांनी बजावलेल्या महत्त्वपूर्ण भूमिकेचा संदर्भ देत उपराष्ट्रपती म्हणाले की, व्यापक विचारमंथन आणि चर्चासत्रांमध्ये आपल्या नेतृत्वाच्या माध्यमातून त्यांनी न्याय, स्वातंत्र्य, समता आणि बंधुता या मूल्यांवर आधारित एका समावेशक भारताचा पाया रचला.

New Delhi
Page No. 10 Apr 15, 2026
Powered by: erelego.com

VP Radhakrishnan Delivers Ambedkar Memorial Lecture, Calls for Inclusive Pathways to Viksit Bharat

The address, delivered on the occasion of Dr B.R. Ambedkar's birth anniversary, highlighted the architect of the Constitution as a guiding force for India's journey toward becoming a developed nation by 2047.

Law & Governance

Devdiscourse News Desk| New Delhi | India
Updated: 14-04-2026 21:16 IST | Created: 14-04-2026 21:16 IST

Image Credit: X(@PIB_India)

Emphasizing the enduring relevance of constitutional values in shaping India's future, Vice-President Shri C. P. Radhakrishnan delivered the 2nd Dr. Ambedkar Memorial Lecture on the theme *"Dr. Ambedkar as a Nation Builder: Pathways Towards Viksit Bharat"* at the Dr. Ambedkar International Centre.

The address, delivered on the occasion of Dr B.R. Ambedkar's birth anniversary, highlighted the architect of the Constitution as a guiding force for India's journey toward becoming a developed nation by 2047.

उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन ने नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में दूसरा डॉ. अंबेडकर स्मृति व्याख्यान दिया

जनमत की पुकार

नईदिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में ₹राष्ट्र निर्माता के रूप में डॉ. अंबेडकरः विकसित भारत की ओर मार्ग₹ विषय पर द्वितीय डॉ. अंबेडकर स्मृति व्याख्यान दिया। इससे पहले, उन्होंने केंद्र में भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उपराष्ट्रपति ने डॉ. आंबेडकर जयंती और तमिल नव वर्ष तथा बैसाखी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और एकता को दर्शाता है। उन्होंने डॉ. आंबेडकर को आधुनिक भारत के महानतम निर्माताओं में से एक और सच्चे राष्ट्र निर्माता के रूप में वर्णित किया, जिनके योगदान से गणतंत्र का मार्गदर्शन होता रहता है।

उपराष्ट्रपति ने व्याख्यान श्रृंखला के आयोजन के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल युवा पीढ़ी को लोकतांत्रिक आदर्शों और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि यह व्याख्यान राष्ट्र की नैतिक और बौद्धिक नींव से पुनः जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

उपराष्ट्रपति ने डॉ. आंबेडकर की जीवन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपार कठिनाइयों के बावजूद, उन्होंने दृढ़ता, विद्वत्ता और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डॉ. आंबेडकर का दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन की कुंजी है और उनका मानना था कि सच्ची स्वतंत्रता शिक्षा से ही शुरू होती है।

उपराष्ट्रपति ने डॉ. आंबेडकर की बौद्धिक प्रतिभा को रेखांकित करते हुए उनकी महत्वपूर्ण रचना ₹रुपये की समस्या₹ और औपनिवेशिक आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाने के उनके साहस का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने यह सिद्ध किया कि ज्ञान और बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली प्रणालियों को भी चुनौती दे सकती है।

संविधान के निर्माण में डॉ. आंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि व्यापक विचार-विमर्श में अपने नेतृत्व के माध्यम से उन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित एक समावेशी भारत की नींव रखी। उपराष्ट्रपति ने भारत के संविधान को विश्व के सबसे व्यापक लोकतांत्रिक संविधानों में से एक बताया।

संवैधानिक नैतिकता के महत्व पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने राज्यसभा के सभापति के रूप में अपनी भूमिका पर विचार करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को संवाद, वाद-विवाद और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसदीय चर्चा से व्यवधान के बजाय निर्णय निकलने चाहिए। उपराष्ट्रपति ने सूचित तथा सम्मानजनक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

उपराष्ट्रपति ने राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र के बारे में डॉ. आंबेडकर के दृष्टिकोण की चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हाल के वर्षों में समावेशी विकास, वित्तीय सशक्तिकरण और पिछड़े क्षेत्रों के उत्थान के उद्देश्य से शुरू की गई विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास डॉ. आंबेडकर के आदर्शों के अनुरूप हैं।

उन्होंने लैंगिक समानता पर डॉ. आंबेडकर के प्रगतिशील दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए, समाज की प्रगति के मापदंड के रूप में महिला सशक्तिकरण पर उनके महत्व का स्मरण किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उपलब्धियों तथा महिला नेतृत्व वाले विकास को समर्थन देने वाली सरकार की पहलों पर प्रकाश डाला।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की आकांक्षा को पूरा करने के लिए संवैधानिक मूल्यों द्वारा निर्देशित सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत समावेशी, न्यायसंगत, नवोन्मेषी और लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने डॉ. आंबेडकर के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये स्थल भावी पीढ़ियों के लिए स्थायी प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने नागरिकों से एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में मिलकर काम करने का आह्वान किया, जो डॉ. आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव सुधांश पंत, विद्वानों, गणमान्य व्यक्तियों और विशिष्ट अतिथियों के साथ इस अवसर पर उपस्थित थे।

https://www.ptinews.com/story/national/ambedkar-s-vision-continues-to-guide-india-s-development-journey-minister-virendra-kumar/3564040

https://m.dailyhunt.in/news/india/english/5+dariya+news+english-epaper-dariyaen/c+p+radhakrishnan+highlights+ambedkars+vision+for+viksit+bharat+at+memorial+lecture-newsid-n708454054

https://www.devdiscourse.com/article/law-order/3873915-vp-radhakrishnan-delivers-ambedkar-memorial-lecture-calls-for-inclusive-pathways-to-viksit-bharat?amp

https://www.morungexpress.com/ambedkar-envisioned-womens-empowerment-vice-president-radhakrishnan#google_vignette

https://www.prokerala.com/news/photos/vp-c-p-radhakrishnan-addresses-lecture-on-ambedkar-jayanti-3754214.html

https://www.youtube.com/live/JF-RvGUrRGI?si=in2WSMa8_rgZLBKh

https://x.com/PBSHABD/status/2044081483552526842

https://indiaeducationdiary.in/vice-president-delivers-2nd-dr-ambedkar-memorial-lecture-at-dr-ambedkar-international-centre-new-delhi/

Pictures

MEMORIAL LECTURE
Shri C.P. Radhakrishnan

Towards Viksit Bharat

Dr. Ambedkar International Centre
2ND DR. AMBEDKAR MEMORIAL LECTURE
Shri C.P. Radhakrishnan
Hon'ble Vice President of India
on
EXIT

Conclusion

The Second Dr. Ambedkar Memorial Lecture reaffirmed the timeless relevance of Dr. Ambedkar's vision in shaping India's democratic and social fabric. The event not only paid tribute to his legacy but also provided a meaningful platform for reflection on the pathways towards an **inclusive, equitable, and developed India**. Through insightful deliberations and participation from diverse stakeholders, the lecture inspired renewed commitment to the ideals of **justice, liberty, equality, and fraternity**, which continue to guide the nation's progress.